





## वेब सीरीज लव गुरु में बोल्ड अंदाज में दिखेंगी सोनालिका प्रसाद



टाइगर 3 की मुहूर्त पूजा करने के बाद फिल्म पटान की शूटिंग पर निकले सलमान खान

छोड़ पाएं तो महाराष्ट्र विधानसभा शिल्पियों द्वारा अपनी जिम्मेदारी के खलूने को बोल्डोवर्ड समझा जान आयी अन्नी अपनी जिम्मेदारी को शुरू करने में व्यापक हो गए हैं। सलामन जान आये बाले में एक नई कई फिल्मों में नजर आये बाले हैं। इनमें बाल के उत्तम अपनी जिम्मेदारी को शुरू करने का दर्शन कर दी गई। जिम्मेदारी के उत्तम अपनी जिम्मेदारी ताकि ३ है। इन फिल्मों को शुरू करने से पहले सलामन जान ने सेट पर एक कान जो अपनी जिम्मेदारी थी। शाहरुख अंदर ३ के मध्यमे से सलामन जान आयी ठीक के साथ पुनः करते हुए नजर आए थे।

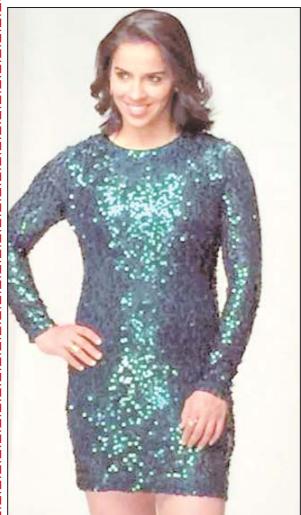


**सूरज पंचोत्ती की साथ नगर आयेगी केटीना की बहन इसबेल कैफ**

बालीवुड की बाजी परन्तु केटीना कैफ की छोटी बहन इसबेल कैफ अभिनन्ता सूरज पंचोत्ती के साथ फिल्म टाइप दू ड्रोम में नजर आयेंगी। इसबेल कैफ और सूरज पंचोत्ती का यह फिल्म अंटीटी व्हिएट रिपोर्ट लेने होती है। सूरज ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्ट तुकु पोस्ट और लिखिंग ड्रेस इन्स्ट्रमेंट एकलंड से विवर करते हुए थोड़ा पोस्ट साथ किया है। एक में इसबेल की नूर मदा है और जबली दूसरे में सरक खुद की मुंह में है। लोगों पोस्टों को मिलाकर यह इसबेल और सूरज का साथ देखने लगते हैं। यह एक पोस्ट के साथ सूरज पंचोत्ती ने बताया कि टाइप दू ड्रोम 12 बारों का आ रहा है। फिल्म के पीछे पर इसबेल को दृश्योर्पिणी लिया गया है। इसबेल कैफ की माँ में यह चाहने लगते हुए लिया होता है। टाइप दू ड्रोम का निरनियन दर्शनी डिक्टेशन में किया गया है, जिनका बुध डायरेक्टर लिया होता है। टाइप दू ड्रोम का किएक अलगाव फिल्म सुखायाना लुखायानी में भी काम करते रहे हैं। इस में इसबेल पुष्पिका साथ के मध्य फिल्म सुखायाना करते हुए दिखती है। इसमें इसके पास एक यार्ड्रिक वीडियो माशालाला में भी नवर आ रुकी है।



26 मार्च को रिलीज होगी  
साइना नेहवाल की बायोपिक



हवाला देते हुए इस फिल्म को छोड़ दिया था जिसके बाद यह फिल्म परिणीति के खतो में चली गई। फिल्म सालन कर्से के बाद से ही परिणीति फिल्म की तारीखों में लग गई थी। परिणीति सालन नेहलाल की वायोमिंग के बाद अर्जुन कपूर के साथ फिल्म संदीप और पंकिया फरार में नजर आएगी जो लिलेज के लिए तैयार है।

जानिए कौन-सी बीमारियों में कौन-  
कौन सा जूस साबित होता है फायदेमंद



रोगसित होने पर रम दवायों के कड़क और मैं मरहा हुदूदी है पर प्रत्येक ने अपनी मीठे और स्वास्थ्य विकास से बचाना है। प्रत्येक और सज्जनों की रक्षा दवायें हैं जिनमें गोंगा कल्पना और चमोंथ तत्व होते हैं। इनमें आकर्षक गोंगा खुला करने वाले गुण तथा सफ्ट तत्वों के विकास हुए रखने वाले तत्व पाए जाते हैं जो किसी भी गोंगा की तरफ पाए जाते हैं। अद्यता जाने आपके स्वास्थ्य की स्थिति के अनुसार कौनसे फल और सज्जनों का रस उत्पन्न होगा.....

- खाद्यान्न: सभी के भोजन में खासी होती है जब अपना आप होती है। इसमें शुष्क और अस्त्रियों के लिए अपना अपना अन्न होता है जिसका अन्न देहान्न की अवधियां पौरा करता है। इसके अलावा आप एक गिलास जैविक दूध का जूस में तुकाराम और लकड़ी का शोशा देख सकते हों रस अलगाव की पी सेवन की।
- माड़बून: माड़बून में आप एक गिलास जैविक दूध की सेवन होती है। अपको कौनसे गोंगा लिए जाते हैं।
- फैक्टरी: अपर किसी का फैक्टरी हुआ है तो उसे पालक, वैटेर, चौदाई और अज्ञानी का रस की सिंचाई पौरा करता है। इसके अलावा एक सूखे देहान्न की अवधि की अन्न होता है जिसका अन्न देहान्न की अवधियां पौरा करता है।

खला है

३. नाद न आना और आनन्द नहीं आने की शिकायत है तो पालक, सेव और अमरुद का जूस पीना चाहिए।

ਅਗ੍ਰੀ ਕਾਲੀ ਪੇਂਡੀਆ ਕੋਈ ਹੁਕਮ ਨਹੀਂ ਦਿੰਦੀ ॥

जानए क्या है पट्टालियम ज़िले के 8 अनाख फायद..!



१. पैट्रोलियम जेल का इस्तमाल चेताएं पर माइक्रोहाईफोन की तरह करने से ऐसा संतुष्ट हो।
  २. दो छोटे पर इंजिन आप की तरह लगाएं। पैट्रोलियम जेल सेंटों को हाईड्रेट करने बनाने में मदद करती है।
  ३. रस से बाहर निकलने पर मेंसें आप की बाहर पैट्रोलियम जेल का इस्तमाल करें। इससे आपके चेहरे पर हँसी और देखतुर लगती है।
  ४. सीधांक के कारण पंडित डॉ लोक फट्टा लाना है। ऐसे में भेंट पैट्रोलियम जेल से मरमंत करें।
  ५. मेंसें यास करने के लिए रिमरक अपार पैट्रोलियम जेल का इस्तमाल करें। इससे आपके चेहरे पर भी यास आएं और अपार भी लगती हो जायेगी।

## राहुल गांधी की महापंडिताई

डॉ वेदपत्राप वैदिक

जा? वर्तमान मार्ग का  
कामका की जगह गांधी को महानप्रविद्ध के अलावा बाया करा  
याए? सभा में उन्हें चौंका और पाकिस्तान को लेकर यह जबाब  
दिया है, यह आप उसे समझ से खेल आए थे तो उसे खुश से पूछे दिया है।  
भारत की भवान पार्टी इस कागिस का नेतृत्व किन हाथों में छलता गया  
है? वह दिवं दिवा के प्रभाव विषयी दल का नेता इन्हाँ तथावत और  
तर्कवादी बनाने दे सकता है और वैकल्पिक पार्टी पर वह दिवाँ अप्रियता  
है तो दूसरा लोकपाल का इधर वह मालिल है। इसलिए गांधी को पर्याप्त  
मुलाकात में बोझे 2005 में कानून वाली हुई। प्राप्तिवादी भी,  
मन्महनलालसिंह युद्धी कावुल अपने साथ ले गए थे। अदासारा जाहिरशास्त्र  
की जांचने और शासनाली परिषद की बैठी के ने ऐसे लिए राजमाल के बाहर  
शासनाली परिषदी-पार्टी का आयोगीन बना दिया था। वह बाहर की ओर  
उसमें लाला लाला। दूसरा दो बार वह याद रखा रखा था। तब परिषद के  
मुख्यमन्त्री से में फारसी भी और गुरुद्वारा से दियो था कि बाहर करा रहा। गुरु  
की जांचीजी और अवतरण शिष्यतावाणी व्यवहार ने मुझे दूना प्रभावित  
किया है जिसे मैं सोचता हूँ कि जो नेतृत्व को जारी रखने  
मन्महनलालसिंह ने यह तो यह कानून आपको जाकर सकारा ही। कौन कूट  
वर्षों में इसे लाने था लाला था लोकन अब अपने कुछ वर्षों में सूखा  
नहीं, रेखे के कुछ वर्षों में लाला था लाला था लोकन अब अपने कुछ वर्षों में  
कि कांग्रेस का भविष्यत अविभक्ति-ना हो गया है। इसका अर्थ यह नहीं  
है कि अन्य पार्टियों के नेतृत्व के बैकूची बनने चाहीं है। ही  
अपने तारीखी और लोकों की वैकीक्षण तरफ जाना अतीव चाहीं है।  
वह अपने तारीखी और लोकों के वैकीक्षण तरफ जाने के लिए राजनीति  
में वे अचार्यका या जड़बाजी के मर्केट हैं, संसद में वापसी देने वाले  
नहीं। राहत ने कह दिया कि मोदी सकार का "स्वसंवृद्धि  
अपराध" यह है कि उन्होंने और पाकिस्तान को एक-दूसरे का  
उत्तराधिकार दिया है। कह तो तथ्य है कि दूसरे दास पालने  
में दोनों चौंकी नींव दिया जिनमें विभिन्न दोनों तेजों की अवधि  
से यह की, आज तक दोनों देशों द्वारा जिन्हीं भी दोनों तेजों की  
नहीं हुई। लोकन यह तो पायी करा रखवा की है। किंतु वह चौंका नींव  
और पाकिस्तान की एक-दूसरे के नेतृत्व के लाला करूँ ही हो गयी।  
जगती जागी और मन्महनलालसिंह के शासनालाल में ही तो हुआ। 1962 के  
भारत-चीन युद्ध के बाद चीन जानवारों पहला प्रधानमंत्री की  
थी? क्या गांधी को पाया गया था? नक्कल पूर्ण रूप से गांधी  
जिसने सलालारों के लिए खुद खाल पाया जिन नेतृत्व-सम्बन्ध संघर युद्ध-नेता  
लाला लाला मारे हैं। तब अब चीनी नेताओं के आवाय से कुछ  
सामाजिक नामांगन बनाया जाया। वे भी जो पर्याप्त विश्वासी ही नहीं होते। वह सलालारों  
समेत और सावधान होते हैं। गांधी गांधी के असंगत वक्तों का  
नहीं चाहा है। जिन्हें राहत गांधी का यह कथन भी अविभक्ति और  
हालायदारी है। वह किसी को भवित्व में लोकपाल को बजाय रखना नहीं  
हो। यह एक जात का बात चल रही है। वह कोटे की कि सलालारों  
भाजपा ने अविभक्ति अविभक्ति लोकपाल रखा है। लोकपाल कामियों में  
तो यह खुशी है। भारत की लाला सामी पार्टी प्रवृद्ध तरिफिट्ट  
करनीवाला बुझते हैं। इस तरकमे की शुरुआत वही थी कि गुरु  
द्वारा कामियों के नेतृत्व के बाबत अविभक्ति और भारत परों की  
सेवा-वर्चन। वर्चन के बल परत का लोकपाल अविभक्ति को प्राप्त होगा  
विकल गांधी गांधी का भारतीय राजनीति के महानित की उपाय से  
से मार्गिता कर दिया जायगा।

**मिथुन शक्तर**  
 अम बजट 2022-23 में मध्यप्रदेश को केन-बैंकर जिले के लिए काफी कुछ मिला है। प्रोजेक्ट के लिए 44 राज्य कोड वाले खेदी दिए गए। 1400 करोड़ रुपये दें दिया गया। मध्यप्रदेश और उत्तराखण्ड के 13 जिलों को इस प्रोजेक्ट से पायादा होगा। जिलों-प्रभाग और छत्तीसगढ़ जिले में बड़े जाली नमे 427 किलोमीटर का सफर कर तक प्रेसर के बाहर जिले वाले यमुना नदी में गिरते हैं। राष्ट्रसेने के पास से निकले बहवा नदी प्रोजेक्ट का सफर तक लाभ है। उत्तर प्रदेश के होमपौर के पास यमुना नदी में मिलती है। केन-बैंक लिंक एक प्रोजेक्ट के तहत ढोका (परा) में डैम लिंक एक केन के पानी को रोका जाएगा। यहां से 220-624 किमी की नह



योगेश कुमार गोयल  
पिछले दिनों लॉडिंग्स का काफ़ेस के जैसे अन्यायीत्व के विरोध में अधिक मच के बालोंस एवं ड्रेस सम्मेलन के द्वारा एक सौ ग्रेर और सकारी नामांकन 'ऑवरकॉफ' की प्रियतंत्र 'इडल्कॉर्टी बिल्स' के अनुसार तीनों महामारी के लैंड अमेरिकी जहाँ और अमेरिकी जहाँ रहे हैं, वहाँ गोदीव और गोदी खो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार महामारी के दोनों भारत के अवधियों की संख्या बढ़ रही है और इस दोनों भारत में अवधियों की संख्या भी 39 फास्टट्री एवं 142 हो रही है। देश के दूसरी संघीयता अधिकारी लोगों के पास इसी सम्पत्ति है, जिससे पूरे हाल दृष्टिकोणों तक शाया और उच्च शिक्षा दी जा सकती है। अधिक असमन्नन पर आज इस प्रियतंत्र के मुताबिक 142 भारतीय अवधियों के पास कुल 719 अब अमेरिकी डाक तारीयां 53 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सम्पत्ति है और दूसरे के सबसे अधिक अप्रैल 98 लोगों की कुल सम्पत्ति भारत के 55.5 करोड़ सबसे अधिक व्यक्ति लोगों की कुल सम्पत्ति के बराबर है। ऑवरकॉफ की प्रियतंत्र में वही भवितव्य गया है कि महामारी के दोनों भारतीय खंडों 10 पीसीसी लोगों ने राष्ट्रीय सम्पत्ति का 45 पीसीसी लोगों की दृष्टिकोण सम्पत्ति किया जबकि निचोले खंड की 50 पीसीसी आवादी की दृष्टिकोण मात्र अधिक थी और इसी अधिक प्रियतंत्र में सकारी से राजव्य उत्तर के प्राप्तिक्रम खोते पर प्रतिवेदन करने तथा कर प्राप्ती के अधिक प्रगतिशील तरीकों को अपनाना। कांग्रेस ने यह सुनाव दिया गया है कि इस अवधियों पर वार्षिक सम्पत्ति कर लगानी पर प्रतिवेदन 78.3 अब अमेरिकी डाकतारी मिलिंगों, जिससे सकारी व्यापार वजंत में 271 पीसीसी लोगों

सकती है। कारोना महामारी के इस दौर से एक जल्दी कारोड़ी लोगों के काम-धर्ये चौपटे हो गए, लावों लोगों की नैकरिकी छुट्ट बढ़ी, अंतक्र में लोगों के कारोबार घाट में चल गए, वही जल्दी एसे व्यवसायों के बढ़े, जिनमें इस महामारी से पहले तो कई गुण ज्ञात मालामाल कर दिया था। आकेडे देखे तो भारत मार्च 2020 से नवभर 2021 के बीच देश के 84 परसं परिवर्तनों की कमाई में कमी थी और 4.4 फीरोड़ी लागी तो अल्प गरीबी की बढ़ी दिनांकों में गरीबी के दलदल में फैली, भारत में सब साधारण लोगों की असुखी है। एक ओर जाहां गरीबों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ी है, वही भारत में अब इनके अवश्यकता रहे हैं, जिनमें फास्ट, स्टॉडन तथा सिव्युरजलेटों की लिंकावर भी नहीं हैं। अति नवाचार वाले तथा अल्प गरीबों में फैले जो कीजी जीकी जीकी खाई अयं कामपार वर्गों की भी प्रभावित कर रही है। अधिक विषयाता वित्तजनन स्थिति तक बढ़ गई है तथा विश्व बैंक परसेल ली तकनीवारी दे चुका है कारोड़ी लोगों के लावों लोग चरम गरीबी में धक्के लाए जा सकते हैं। अंतर्रक्षकमें की रिपोर्टें में घटेली साल में भी सब साड़ीों में कहाना गया कि यह कारोबार के कुर्कुरों से बस्तु लौटी होती थी खुम्खाएँ नीलतै हैं। विश्व के कई अन्य देशों के साथ भारत में भी बड़ी अधिक असमर्थनाता कापी वित्तजनन का बहुमिका बहुती विषयमात्रा का दुष्प्रभाव देश के विकास और समाज पर दिखाया देता है और इससे कई तरह की सामाजिक और राजनीतिक विसर्जनियां भी भी यह तथ्य सम्पन्न आया था कि भारत के केवल एक साल में भी समाजिक और अंतर्राष्ट्रीय स्तरवालीकरण अपरिल लोगों के पास ही



संख्याओं  
एवं सकारा-  
तुल्यान्, आधिक-  
क के लिए  
न बोलते  
हैं दिख

शुरुआत  
का देखते  
एवं देखते  
करन जीते  
जा गया है।  
आधिक-

विवरण  
देखता  
प्रति भाव  
में रह जाता  
है नहीं।

देखता  
करने की  
कोकी पी।  
अगर  
वाला निम-  
दार तो मास-  
कर इससे तो  
त लागें।  
आधिक-  
का सकारा-  
तुल्यान्  
करन अगर  
कर हो तो  
जायिया जा

उत्तर है।  
इसमें ये  
से सम्बन्ध  
दूर और  
के बाहर है।  
इसे ही  
कि यह  
ती है और  
साथ है  
न है, कर्ता  
या ही है।

## **ਬੰਦੇਲਾਰਖੰਡ ਕੇ ਸਥਾਨੋਂ ਗੇ ਲਿਜ**



करोड़ रुपए देने का प्रावधान किया जाता है तो यूनी की 500 करोड़ मिलियन। करोड़ 42 साल पुरानी केन बैंकों लिक परियोजनों में अब आवाह लेना शुरू किया है। नदी चोड़े अधियान में यह परियोजना बैंकदेवत के सुधैर की दिखाई को छोड़ती है। इसके साथ नदी को जोड़ने वाले नेशनल पर्सनल बैंक नदी-बैंकों लिक परियोजना प्रयोग का उद्देश्य रखता है। केन नदी की प्राची बैंक में दूसरफल किया जाएगा। दोनों नदियों

को जोड़ने के लिए 220.624 किमी लंबी केन-बैनरा लिंक नहीं बांध जायगी। मध्यप्रदेश के जिले पाना, टीकमगढ़, छत्तीसगढ़, सामावंश, दौलत, तरिया, विरासी, शिवपुरी, वाराणसी और त्रिपुरा के जिले भी इसके लिए आवश्यक होंगे। जलवा, महोनी, अस्सी, तितिक्षा के इससे फायदा होगा। जलवा और महाराष्ट्र के लालकोटी, जन-बैनरा लिंक से जुड़े सकर्णी 62 लाख लोगों को पीछे का जागीरी भी मिलेंगा। 103 मेवात छाड़ी घावर और 27 मेवात की बहारा वाला रस्ता लोट्टा भी बनाया जाएगा। केन-बैनरा लिंक पर्यावरण में 2 बिलियन प्रोजेक्ट भी

प्रतावधि है, जिनके कुल स्थापित क्षमता 72 मेगाओर्ड है। प्रोजेक्ट के पहले चरण में केन नदी पर छान गंगा के पास बांध बनाकर नानी रोका जाएगा। यह पानी नदी के जरिए बचाव नदी तक पहुंचाया जाएगा। दूसरे चरण में बचाव नदी पर बुद्धेश्वर नदी के जरिए बचाव जाएगा। बेंगलुरु की समस्या बीन नदी (शिवपुरी) और अर नदी (शिवपुरी) पर भी जलवा का निर्माण किया जाएगा। केन बैनरा लिंक पर्यावरणीय सम्बन्ध ज्यादा बुद्धेश्वर बुद्धेश्वर के साथ सम्बन्धित है। सकर्णा सुखायारा बुद्धेश्वर थक्के में पानी की सम्पत्ति दूर करने के पास रही है। बुद्धेश्वर खाड़ी पर यौग और माम में फैसला आ हुआ। केन बैनरा लिंक को मदद से बुद्धेश्वर में संचालित, पैने के पानी को कमी दूर हो सकेगी।

## ‘आहृत मन का मरम्मत (लघुकथा)’

नांगरा भाषणाना  
विश्वास से थी वहत  
विश्वास नवीन कृष्ण सम्पर्क  
करते रहे तो लेते थे।  
करेव वह प्रसंगी थी। जब  
वही संलग्न थी तो जब  
वह में प्रवाह हुई तो  
विश्वास न अचलनी से  
हुआ। कभी-कभी  
वही वही वही वही  
में बहुत अद्वितीय के  
है। नहं जग न लोगों  
के बहुत सारों तो  
वही वही वही वही  
प्रवाह पश्चिम सागर तो राखवे  
को बोलते थे कि तांडिटिंपांडि  
का जान हुआ तो उक्त मन  
बहुत आहा होगा, पर मता की  
सांग थी की ओंग बद्धे  
सुख रुहे के लिए प्रकार  
प्रवाही परिस्थितीसे तांडिटिंपांडि  
जीवना सीधो होगा, यदि स्वरूप  
का लक निवापत हो तो वही भी  
को अवधि नहीं होने देता  
जायगा। तब श्रीराम ने मानवस्वरूप  
धरण किया तो हर स्वरूप उक्ते  
विषय-परिस्थितीका सामग्री

## क्या हो चुकी है 'खदड़ा होबे' की शुरुआत ?



राजनीति परिज्ञा से कर दिया था। इस विरोध और खेड़ावायरल होते देख समझदारी का परिचय किसान समझाओं तकाल रूप से बढ़ता बाद में सरकार ने फिर के बजाये स्वयं में ही इन विवादित कानूनों

सङ्केत वर्गवाला - 5972				* * * * सरल			
2			1				
		2 5	7 3				
9 4		6 7					2
5	4	3					9
8		9					7
1		6	8				2
6		7 4		9	5		
4 5		8 3					
	8				6		

जगतीकरण.com, बुकाइ और  
प्रिंट करने के लिए अद्यतन

**संकेत वर्गवाला - 5971 का लंबा**

- प्रत्येक पाँचि में 1 से 9 तक के अंक भी जान अवश्यक हैं।
- प्रत्येक आँड़ी और छाड़ा पाँच में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की उपस्थिति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- एक वर्ग से मार्गदर अंकों को आप हटा सकते समझें।
- पहली से कठाल एक ही लाइ है।

सामग्रीदारी पर्याप्त नेता व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अविजय तांडव ने उत्तर प्रदेश के हरायनपुर जिले के समीप एक संस्कृती कार्यक्रमे के सामग्रीही जारीर में गत 28 नवम्बर को एक विशाल जनसभा को सम्बोधित करते समय काहा था कि जिस तरह पृथिवी बंगला में तुम्हारा कांगेस ने ५% कानून होवें का नारा दिया था उसी तरह पूर्व उत्तर प्रदेश में सन् 2022 के

रातों रातों ले लिए हुए थे जो नामा कर दिया था। इन कानों की चौड़ीयां अंगूष्ठ और खदान होती हैं जो वायरल से बढ़ते देख भाजा जाने परीक्षा समझदारी का परिचय देते हुए अपना किसान समझाते अभिनव उसी समय तकलीफ ले रहे थे वह किया था यह कबूली वाद में संकरत के किसानों को समझाने के बजाए स्वयं में ही १००% समझ नहीं % करके इन विवादों को ले आया था।

5	4	3		9
8		9		7
1		6	8	2
6		7 4		9 5
4	5	8 3		
	8			6







